जागृति

वर्ष:63 अंक:07 मुम्बई जून, 2019

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी ने एमएसएमई मंत्रालय का कार्यभार संभाला

माननीय राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सारंगी एमएसएमई मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण करते हुए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-7 मुंबई जून 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार .... 3 से 15

आयोग के अध्यक्ष ने गोवा की माननीय राज्यपाल से मुलाकात की ....

लगभग 10,000 फीट ऊंची पहाड़ियों पर आयोग का एक और नवाचार ....

गोवा के समावेशी विकास में अब खादी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.....

अध्यक्ष द्वारा केन्द्रीय ग्रामीण कुम्हारी संस्थान, खानापुर का दौरा.....................

राष्ट्रपति भवन में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में खादी ने भी की उपस्थिति दर्ज ....

पापड़ बनाने वाली महिलाओं ने वाराणसी में सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी...

अहमदाबाद में समीक्षा बैठक...

सौर ऊर्जा का उपयोग...

आयोग में विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन..

अध्यक्ष महोदय का संदेश...

विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोग के कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रम........

प्रेस कवरेज ....16 से 19

गोवा की माननीय राज्यपाल से आयोग के अध्यक्ष ने मुलाकात की

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने गोवा के माननीय राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने गोवा राज्य में कार्यान्वित किये जा रहे खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रमों और भविष्य की कार्य योजना से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

लगभग 10,000 फीट ऊंची पहाड़ियों पर आयोग का एक और नवाचार

देश भर में लोगों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध! खादी और ग्रामोद्योग आयोग का एक और नवाचार: प्रसिद्ध मठ के पास लेह-लद्दाख के लगभग 10,000 फीट ऊंचाई की पहाडियों पर लिकिर गांव में एक पीएमईजीपी अंर्तगत सहायता प्राप्त रेस्तरां का उद्घाटन करने का यह एक शानदार क्षण था।

समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मूल उद्देश्य है। केवीआईसी लेह-लद्दाख के सस्पोले, माथो और लिकिर गांवों के कुम्हारों के चेहरे पर मुस्कान लाया है, जिसने वर्षों से विलुप्त हो रहे घाटी के कुम्हारों को बचाने के लिए 100 इलेक्ट्रिक कुम्हारी चाक, ब्लुंगर्स और पग-मिल्स का संवितरण किया।

गोवा के समावेशी विकास में अब खादी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 18 मई, 2019 को गोवा राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत से मुलाकात की और केवीआईसी की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की जो गोवा में रोजगार सृजन के अवसर बढ़ा सकती हैं।

बैठक के दौरान, अध्यक्ष ने आयोग के द्वारा भारत सरकार की स्फूर्ति, पीएमईजीपी, मधुमक्खी पालन और कुम्हारी योजना के संवर्धन पर चर्चा की। इसके अलावा खादी और ग्रामोद्योग आयोग कार्यालय व खादी भवन के लिए उपयुक्त स्थान आवंटित करने के लिए भी चर्चा की गई।

अध्यक्ष द्वारा केन्द्रीय ग्रामीण कुम्हारी संस्थान, खानापुर का दौरा

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने केन्द्रीय ग्रामीण कुम्हारी संस्थान, खानपुर, कर्नाटक का दौरा किया, जहाँ उन्होंने मिट्टी के बर्तनों के लिए बने नवीकृत भट्टी शेड का उद्घाटन किया तथा प्रशिक्षित कुम्हारी कारीगरों को उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किये।

राष्ट्रपति भवन में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में खादी ने भी की उपस्थिति दर्ज

नई दिल्ली: जब खादी के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर श्री नरेंद्र मोदी ने 30 मई को राष्ट्रपति भवन में भारत के प्रधान मंत्री के रूप में पुनः शपथ ली, तब खादी भी वहाँ पर बहुत ही नोवल तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही थी –वहाँ उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को खादी थैलियो में पानी की बोतलें प्रदान की जा रही थी।

राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा दिए गए क्रयादेश के अनुसार, कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथकागज संस्थान (केएनएचपीआई), जयपुर - खादी और ग्रामोद्योग आयोग (खा.ग्रा.आ.)की इकाई - ने कुल 7,000 हस्तनिर्मित कागज के बैगों की आपूर्ति की, जोकि 4 इंच के हैं परंतु हस्तनिर्मित कागज से बने होने के कारण यह 10 इंच तक आकार देते हैं। इन बैगों की आपूर्ति पानी की बोतलों को रखने के लिए की गई थी। इन बैगों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक महत्वाकांक्षी परियोजना 'रिप्लान' (प्रकृति से प्लास्टिक अपशिष्ट कम करना/ रिडुसिंग प्लास्टिक इन नेचर) के तहत एक विशिष्ट तरह से तैयार किया गया है। इन्हें बनाने के लिए प्लास्टिक के अपशिष्ट एकत्र कर, सफाई करके इसे छोटे-छोटे टुकडों में परिवर्तित किया जाता है, फिर इस अपशिष्ट को रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से मुलायम किया जाता है। तत्पश्चात, इसे सूती वस्त्र(कॉटन) अपशिष्ट की लुग्दी और कागज़ की कच्ची सामग्री (लुग्दी) अर्थात 80% (लुग्दी) और 20% (प्लास्टिक अपशिष्ट की लुग्दी) के अनुपात में मिश्रित किया जाता है और अंत में इससे पेपर शीट तैयार किया जाता है।

लोकतंत्र के सबसे बड़े आयोजन अवसर पर इस ऑर्डर से उत्साहित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, आयोग के लिए यह गर्व की बात है कि आयोजित समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों के लिए पानी की बोतलों हेतु बने हस्तनिर्मित पेपर बैग पर 'खादी इंडिया' का 'लोगो' प्रमुखता से दिखाया गया है। राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह, "एक ऐसा समारोह था जैसे 'खादी इंडिया' उस आयोजन में सभी कोणों से अपने संरक्षक को सलाम कर रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पूर्व कार्यकाल में खादी की वृद्धि का कोई संकेत है, और हम आने वाले दिनों में खादी की वृद्धि में कई और पंख जोड़ने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने आगे कहा, "केवीआईसी द्वारा रिप्लान की तुलना में प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत अभियान' के स्पष्ट आह्वान अनुपालन करने के पश्चात सीईएलएसई एक बेहतर उदाहरण हो सकता है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा रिप्लान के अंतर्गत प्लास्टिक से होने वाले खतरे को कम करने के लिए एक विशिष्ट तरीका निकाला गया है जो दुनिया की सबसे बड़ी समकालीन समस्याओं में से एक है। 26 वर्षीय कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथ कागज संस्था को पुनर्जीवित करने के लिए इस संस्थान को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है

बता दें कि अभी तक कुमारप्पा राष्ट्रीय हाथ कागज संस्थान (केएनएचपीआई) ने सात लाख से अधिक हस्तनिर्मित पेपर बैगों की आपूर्ति की है और इस पेपर बैग के निर्माण में 17 मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग किया गया है।

पापड़ बनाने वाली महिलाओं ने वाराणसी में सशक्तिकरण की नई कहानी लिखी

सेवापुरी (वाराणसी): वाराणसी के जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में स्थित दूर गांव खेड़े में सुबह के 2.30 बजे - जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है- जहां पापड़ बनाने वाली महिलाएं सशक्तिकरण की नई इबादत लिख रही हैं।

ऐसे समय में, जब देश भर के कई गाँवों में महिलाएँ अकेले घर से बाहर नहीं निकल सकतीं - विशेष रूप से मुश्किल समय में, साड़ी पहने सात - आठ महिलाओं का एक समूह, रेलवे ट्रैक के समानांतर बड़े पैमाने पर दुर्गम घास से भरे रास्ते पर पैदल चलकर जाती हैं सेवापुरी गांधी आश्रम की लिज्जत पापड़ इकाई में -पापड़ बनाने के लिए और आटा गूंधने के लिए - जो सितंबर, 2016 से पहले एक जीर्ण-शीर्ण खादी संस्था थी।

नेवरा गाँव पोस्ट साकलपुर की 40 वर्षीय ममता देवी, 42 वर्षीय मुन्नी देवी, और 40 साल की फूल देवी के लिए यह सुबह की सैर पैसा कमाने जैसी है। ममता देवी कहती हैं, "हम रोज़ाना 2.30 बजे तक सेवापुरी आश्रम पहुँचते हैं और तीन घंटे में आटा गूंधते हैं - जिसके लिए उनके घरों पर पापड़ बेलने के लिए सैंकड़ों महिलाएँ सुबह 5.30 बजे से ही आटा संग्रह के लिए आने लगती हैं। इस तीन-घंटे की नौकरी के लिए, हम में से प्रत्येक को रु 250 से रु. 300 प्रति दिन औसतन मिलता है। । यह हमारे लिए सुबह की कसरत की तरह है। हर दिन, हम 4-5 किलोमीटर चलते हैं, तीन घंटे तक अभ्यास करते हैं और रु.300 तक कमाते हैं।" उन सभी ने नौकरी प्रदान करने और उनका जीवन बदलने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। "इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए सेवापुरी गाँव की सरस्वती देवी कहती हैं, "गाँव की एक निरक्षर महिला होने के नाते, हमने कभी नहीं सोचा था कि हमें घर बैठे कभी भी प्रतिदिन 300 रुपये कमाने का अपने जीवन में अवसर मिलेगा।पीएम मोदी ने खादी के माध्यम से हमारे जीवन में यह बदलाव लाया है।

अगला दौर सुबह 5.30 बजे शुरू होता है, जब लगभग 230 महिलाएं सेवापुरी गांधी आश्रम में सुबह 8 बजे तक गुंधा आटा इकट्ठा करती हैं और दिन में अपने घरों में पापड़ बेलती हैं। इन महिलाओं को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रशिक्षित किया गया है और तीन

साल से भी कम समय में - वे पापड़ बनाने में निपुण हो गयी हैं। पूरे देश में अभी तक सरल गांधीवादी सादगी के रूप में जानी जाने वाली बहुत प्रभावी इस विधि ने वाराणसी और ग्राम-प्रधानों के गांवों में काफी सफलता हासिल की है, अब वे यह जानते हैं कि गांधीवादी सादगी को कैसे लागू कर सकते हैं - जहां एक महिला रोजाना सुबह इकट्ठा किये 8 से 10 किलोग्राम वजन के गुंधे आटे से पापड़ बना सकती है और 300 से 400 रुपये प्रति दिन की कमाई शुरू कर सकती है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की एक समर्थित इकाई लिज्जत पापड़, बेलने के लिए प्रति किलो 9.00 रुपये का भुगतान करती है।

संयोग से, महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में खादी को बढ़ावा देने के लिए व कत्तिनों और बुनकरों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से सेवापुरी आश्रम की स्थापना 5 नवंबर, 1946 को गांधीवादियों के एक समूह द्वारा - गांधीवादी युग के एक प्रसिद्ध खादी संस्था 'क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम' नाम से की गई थी। तब औपचारिक रूप से इसका उद्घाटन भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा किया गया था और गांधीजी काफी समय तक यहां रहे, जब उन दिनों 600 लोग इस केंद्र में काम करते थे। 12 एकड़ क्षेत्र में फैला, सेवापुरी आश्रम एक समय में देश के सर्वश्रेष्ठ खादी केंद्रों में से एक था। लेकिन, वित्तीय संकट और उचित प्रबंधन की कमी के कारण, केंद्र को 1990 में बंद कर दिया गया था और तब से यह पूर्ववर्ती गौरवशाली केंद्र, जिसने खादी के प्रचार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वस्तुतः लापरवाही की गवाही में बदल गया। अपने 26-वर्षीय वर्षों के जीर्णता में, यह जंगल में बदल गया - अधिकांश संरचनाएं धूल-धुसारित हो गयी हैं। केवीआईसी, जो आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के गांधीवादी दर्शन की उत्कृष्टता के इस केंद्र के पुनरुद्धार के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा था, आखिरकार इसका औपचारिक रूप से फिर से उद्घाटन करने के लिए एक दिन चुना गया, 17 सितंबर 2016 को - प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर - जिसे सेवा दिवस के रूप में जाना जाता है - आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने इसका पुनः उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि केवीआईसी ने इस खादी संस्था के भवन के जीर्णोद्धार तथा मरम्मत और परिसर की सफाई के लिए 20 लाख रुपये का विशेष अनुदान दिया था। केवीआईसी ने ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) से प्राप्त अपने सीएसआर फंड का इस्तेमाल खादी गतिविधियों को शुरु करने के लिए किया। आरईसी ने इस परियोजना के लिए 5.50 करोड़ रु का सीएसआर फंड दिया। विशेष रूप से, यह खादी गतिविधियों के लिए सीएसआर निधियों का पहला उपयोग है। अब, इस आश्रम में 200 सोलर चरखे, 80 सोलर लूम, एक आधुनिक सिलाई केंद्र और नमक बनाने

अहमदाबाद में समीक्षा बैठक

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने राज्य कार्यालय, अहमदाबाद में खादी ग्रामोद्योगी योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की, जहां उन्होंने केवीआईसी की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की, जिससे राज्य में रोजगार सृजन को बढावा दिया जा सके।

इस बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय ने स्फूर्ति, पीएमईजीपी, मधुमक्खीपालन और कुम्हारी उद्योग के संवर्धन पर चर्चा की।

वाली इकाई चल रही है।

केवीआईसी के अनुरोध पर, इस पूर्ववर्ती आश्रम के कायाकल्प से उत्साहित - लिज्जत पापड़ ने केंद्र में एक पापड़ बनाने की इकाई की स्थापना की है, जिसमें 250 से अधिक स्थानीय महिलाओं को काम के लिए नामांकित किया गया है और उनमें से अधिकांश नियमित रूप से केंद्र में आ रही हैं। इस कार्य में शामिल सभी महिलाओं को आटा गूंधने, बेलने और पैकेजिंग के लिए प्रति किलोग्राम 39 रुपये मिलता है। संयोग से, यह वाराणसी जिले की पहली लिज्जत पापड़ उत्पादन इकाई है जो सितंबर 2016 में शुरू हुई थी।

पापड़ बनाने के उद्योग में लगी इन ग्रामीण महिलाओं के उत्साह और उत्साह का श्रेय देने के साथ-साथ आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार आने की भी सराहना की। "कई दशकों से, ग्रामीण भारत के अधिकांश हिस्सों में महिलाओं ने एक सीमित जीवन व्यतीत किया है। आज भी, देश भर के कई गाँवों में महिलाएँ अकेले घर से बाहर नहीं निकल सकती हैं, और इसलिए एक स्वतंत्र जीवन जीना उनके लिए बहुत दूभर रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार की बदौलत आधी रात को भी महिलाएं आश्रम में आ रही हैं। "उन्होंने कहा," चूंकि इन पापड़ बनाने वाली महिलाओं की सफलता पूरे क्षेत्र में गूंज रही है, इसलिए हम जल्द ही इस पापड़ बनाने के उद्योग में अन्य 200 महिलाओं को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करेंगे।

सौर ऊर्जा का उपयोग

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने 16 मई, 2019 को केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में 84.15KW रूफटॉप सौर प्रणाली का उद्घाटन किया।

आयोग में विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 20 मई, 2019 को केंद्रीय कार्यालय, मुंबई सहित पूरे देश के सभी राज्यों के अपने कार्यालयों में विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया।

इस अवसर पर आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रीता वर्मा ने केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्मचारियों को संबोधित किया।

मधुमक्खीपालन से बेरोजगार युवाओं और इच्छुक युवा उद्यमियों के लिए कई रोजगार के मार्ग खुलेंगे। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की नोडल एजेंसी होने के नाते, आयोग शहद के लिए प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लेबलिंग इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने केवल मधुमक्खी दिवस ही नहीं मनाया, बल्कि युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य भी रखा है, इसके लिए आयोग समय-समय पर जागरूकता शिविर और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिससे लोगों को कुशल बनाया जा सके। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मधुमक्खी के विनाशकों और बीमारियों की पहचान और प्रबंधन, शहद की निकासी और मोम शोधन, और वसंत, गर्मी, मानसून,

आयोग ने मनाया 'वर्ल्ड हनीबी डे'

शरद ऋतु और सर्दियों के अनुरूप मौसम में मधुमक्खी कालोनियों के प्रबंधन के बारे में बताया जाता है। प्रशिक्षित मधुमक्खी पालनकर्ताओं को प्रमाण पत्र देने के अलावा, केवीआईसी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न मौसमों के दौरान शहद मधुमक्खी कालोनियों का प्रबंधन, शहद मधुमक्खी प्रजातियों, कॉलोनी संगठन, श्रम विभाजन और शहद मधुमक्खियों के जीवन चक्र के बारे में भी बताया जाता है।

विश्व मधुमक्खी दिवस मनाने के लिए 20 मई को आयोग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों द्वारा देश भर में कार्यक्रम में भाग लिया गया और आयोग ने इस अवसर पर 80 ग्राम की शहद की बोतलें भी वितरित की।

कार्यक्रम में आयोग की वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश और सभी वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

विश्व हनी-बी दिवस के अवसर पर केवीआईसी ने मुंबई के जुहू बीच पर योग शिविर का आयोजन किया, जहां केवीआईसी की टीम ने निःशुल्क सांकेतिक के रूप में शहद उत्पादों का वितरण किया।

विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर

अध्यक्ष महोदय का संदेश

आज 20 मई, 2019 -'विश्व मधुमक्खीपालन दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस पर्यावरण संबन्धित मधुमक्खियों की आवश्यकता के बारे में लोगों के मध्य जागरूकता लाता है।

आजकल, हम में से बहुत से लोग जानते हैं कि मधुमक्खियां शहद, फसलों और फूलों के परागण करने के लिए महत्वपूर्ण हैं और हाल के वर्षों में मधुमक्खियां एक संकट का सामना कर रही हैं जो उनके भविष्य के लिए गंभीर रूप से खतरा है। वे कई पौधों को सक्षम करके हमारे ग्रह की खाद्य सुरक्षा में सीधे योगदान करती हैं- जिसमें कई महत्वपूर्ण खाद्य फसलों को पुन: उत्पन्न करना शामिल है। वे ग्रह की जैव विविधता के संरक्षण और रखरखाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और संवर्धन के माध्यम से जनता को मधुमक्खी उद्योग के संबंध में जागरूक करना है।

प्रत्येक व्यक्ति मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के संरक्षण में योगदान कर सकता है:-

- बालकनियों, छतों और उद्यानों को आलंकारिक करने के प्रयोजन हेतु मकरंद वाले फूल लगाकर।
- अपने नजदीकी स्थानीय मधुमक्खीपालक से शहद और अन्य हाइव उत्पाद खरीदें।
- मधुमक्खियों के महत्व पर बच्चों और किशोरों को जागरूक करें और मधुमक्खी पालकों को अपना समर्थन दें।
- आप अपनी बालकनी, छत, या बगीचे पर एक परागण फार्म स्थापित करें, आप इसे या तो स्वयं बना सकते हैं या किसी भी फर्निशिंग दुकान से खरीद सकते हैं।
- पुराने घास के मैदानों को संरक्षित करें - जिनमें फूलों की अधिक विविधता है - और पराग कण वाले पौधे लगाएं।
- परागकण वाले पौधों के खिलने के बाद ही घास के मैदानों की घास काटें।
- मधुमक्खियों के अस्थायी या स्थायी उपनिवेश के लिए उपयुक्त खेती के स्थानों की पेशकश करें ताकि उनके पास उपयुक्त चारागाह हो; फलस्वरूप, वे हमारे पौधों को परागित करेंगे, जिससे फल अधिक आयेंगे।
- कीटनाशकों का उपयोग करें पर इससे मधुमक्खियों को नुकसान नहीं होना चाहिए और उन्हें हवा रहित मौसम में स्प्रे करें या तो सुबह जल्दी या देर रात में, जब मधुमक्खियां फूलों से निकल जाती हैं।
- कीटनाशकों के छिड़काव करने से पूर्व बागों और बगीचों में पुष्पित पौधों को गीला करें ताकि वे छिड़काव के बाद मधुमक्खियों को आकर्षित न करें।
- शहद को निकालते समय मधुमक्खियों के छत्तों के नुकसान को कम करने के लिए केवल स्मोकर्स एवं सुपर्स को उपयोग में लाएं।

तो आइए, इस वर्ष विश्व मधुमक्खी दिवस को मनाएं और स्मरण रहे कि हमारे जीवन के लिए और पृथ्वी पर जीवन के लिए मधुमक्खियां कितनी महत्वपूर्ण हैं।

आपके समर्थन और भागीदारी की आशा में।

(विनय कुमार सक्सेना)

अध्यक्ष

विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोग के कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रम

आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई के अलावा, राज्य/ मंडल कार्यालयों द्वारा भी विश्व शहद दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केवीआईसी के वरिष्ठ पदाधिकारियों व गणमान्य लोगों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में छात्रों के बीच शहद की बोतलें वितरित की गईं।

चेन्नई में

देहरादून में

भोपाल में

मदुरै में

देहरादून में

जयपुर में

भुवनेश्वर में

अगरतला में

शिमला में

गोरखपुर में

KVIC to create over 1 lakh jobs in Goa: Saxena

Vinai Kumar Saxena, chairman of Khadi and Village Industries Commission (KVIC) in India was in Goa recently. VIKANT SAHAY had an opportunity to find out more about KVIC and its interests in Goa

HERALD: KVIC has a legacy and in some way connected to our freedom struggle. How far have we come since?

VINAI KUMAR SAXENA: Khadi, as Gandhiji believed, is not only the tool of self-reliance or symbol of nationalism; it can also play a vital role in economic growth of the nation. But, due to lack of vision and focus by successive governments, it could not accelerate in terms of growth and job creation for many years.

Until 2014 the growth of this sector could not even touch double digits as the highest growth rate recorded prior to 2014 was a mere 8%. It was the vision of Prime Minister Modi that this untapped sector witnessed rocketing growth after 2015. In 2017, the low-profile Khadi industry saw sales worth Rs 5,000 crore for the first time in India. Products manufactured in villages by small-scale industries and social entrepreneurs, most of which are run by women, also saw huge demand. The sales of village industry produce, or Gramodyog, grew 24% in that fiscal. In the last fiscal 2018-19, the KVIC has hit a bigger growth trajectory as the sale of Khadi products has shot up to Rs 3,215.13 crore, which is almost 246% more than Rs 1,310 crore in 2014-15. Even in the production – with a figure of Rs 1,902 crore in FY 2018-19, it had recorded a growth of over 197% from the production of 961.67 crore in fiscal 2014-15. We are very hopeful to surpass the sales target of Rs 5,000 crore by the end of 2019-20.

HERALD: How have the sales performed?

VKS: Besides Prime Minister's push, the credit also goes to KVIC's aggressive marketing and proper utilisation of manpower for this success. With limited resources and round-the-clock efforts of the artisans and KVIC staff resulted in our success. The quantum of this success can be understood that in the fiscal 2014-15 – Khadi's sale was Rs 1,310.90 crore with 2082 number of manpower, but in the fiscal 2018-19, it was Rs 3215.13 crore with only 1535 manpower, ie even with 24% drop in manpower, Khadi's sale has been increased by more than 245% in the last five years. In 2014-15, the per capita utilisation was mere 65%, which has gone up to over 210% in fiscal 2018-19.

HERALD: Your organization's priority along with spreading the reach of Khadi is also to ensure that there is employment generation. What measures has KVIC taken for job creation?

VKS: The KVIC has generated as many as 21,70,702 new employment through its various schemes like Khadi and Polyvastra, Prime Minister Employment Generation Programme, Honey Mission and Kumhar Sashaktikaran Yojana in the last five fiscals, ie between 2014-15 and 2018-19. Not only that, in the last five financial years, we have also added 4.95 lakh new artisans to KVIC.

Vinai Kumar Saxena, Chairman, KVIC

ENTREPRENEUR OF THE FORTNIGHT

HERALD: What are your expansion plans pan India and are there any export plans?

VKS: Khadi is no longer an item of outdated Khadi Bhandars. Taking serious note of ensuring availability of this signature fabric at every doorstep, the KVIC has introduced some new initiatives of opening exclusive Khadi Korners in major malls and supermarkets in the country. After signing the MoU between KVIC and Globus chains of stores for setting up of exclusive Khadi stores named 'Khadi Korner', many shop-in-shop 'Khadi Korners' were opened across the country. It is a good platform where customers would get a wide range of Khadi products, without having to travel much. It will certainly be a major marketing push for Khadi in retail and is expected to give a major push to Khadi sales.

Another innovation in form of 'Khadi Mitra' on cards, where the housewives could sell Khadi with a very nominal capital investment initially as Khadi had always been associated with women empowerment.

KVIC had also organised an interaction with CEOs of retail chains and designers at World Trade Centre (WTC) Mumbai, with the objective to give retail presence to Khadi in major malls and retail stores. Tie-up has also been made with Cotton Bazaar. Even discussions are on with Pantaloon, Apna Bazaar, Shoppers Stop, Big Bazaar etc for Khadi Korner tie-up.

We will leave no stone unturned in extending best of marketing support and export opportunities to Khadi institutions, PMEGP/REGP units to help market their products and services, besides making convergence with the trusted corporate giants to market Khadi. Designer intervention has also been made by KVIC to introduce market trendy designs in Khadi. Reputed designers like Ritu Beri, Nachiket and institutes like NIFT, SNDT and Pearl Academy are also being involved in this initiative.

The KVIC is also setting up export cells to promote overseas sales of the products. Currently, we are not doing direct exports but are trying to kick it off. It'll help in making Khadi an international brand.

HERALD: What issues did you discuss in your meetings with CM and Governor of Goa?

VKS: Both of them were impressed with Khadi's growing journey in the last five years. Both laid stress on creating jobs in the State. Since Goa does not have any Khadi activities till date, we have decided to adopt a village as 'Khadi Gram' – from where Khadi activities could be kicked off after distribution of charkha and looms there. We have also decided to launch several village industries activities relating to food processing in Goa as it has abundance of fruits like jackfruit, cashew, pistachio and coconut. KVIC will also open more outlets in the State. When the CM came to know about implementation of Khadi school uniforms and Khadi uniforms for postal employees and safai karmacharis in other states, he immediately asked me for the proposal in this connection. He has assured to implement Khadi uniform in the State at schools and municipal bodies. Most importantly, the Goa CM asked us to provide PMEGP loans for auto-rickshaws, taxis and motor-boats. Valuing his suggestions, this subject has been approved at the KVIC meeting on May 21, 2019.

HERALD: According to you, how important is the Goa market for you and what can Goa expect from KVIC in near future?

VKS: Since Goa has immense forest cover, it could be one of the best places to explore KVIC's Bee-Keeping Programme named 'Honey Mission'. As Goa is also known for its coconut cultivation – it will supplement 'Honey Mission' in a big way as KVIC has planned to cultivate exclusive 'Coconut Honey' there. We have also planned to set up many PMEGP units in this State. I am sure that by the end of this fiscal, KVIC will create over one lakh job in Goa through its various schemes.

बैठक • जिले के बैंकर्स ने पीएमईजीपी की विशेष बैठक में अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प किया

खादी व ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं से गांवों के युवाओं में कौशल बढ़ाकर गरीबी मिटाने के प्रयासों में भागीदार बनें

भास्कर संवाददाता | झुंझुनूं

भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के बीकानेर मंडल निदेशक बद्रीलाल मीणा ने झुंझुनूं जिले के बैंकर्स का आह्वान किया है कि वे खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव के गरीब-बेरोजगार का कौशल बढ़ा कर गरीबी मिटाने के चौतरफा प्रयासों में भागीदार बनें। वे गुरुवार को निकटवर्ती बगड़ में एक होटल में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के लिए आयोजित विशेष बैठक बोल रहे थे।

उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि गत वर्ष के अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए तेजी से काम करें तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रस्तावित लक्ष्यों के लिए भी कार्य योजना बनाएं। मीणा ने सभी से कहा कि विभाग द्वारा पीएमईजीपी में स्वीकृत परियोजनाओं को तत्काल ऋण प्रदान कर, राष्ट्र उत्थान के अभियान को सफलता बनाने में सहयोग करें। मीणा ने कहा कि खादी व ग्रामोद्योग आयोग द्वारा बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने के लिए भारत सरकार की पहल पर विभिन्न प्रकार के कारोबार आरंभ करने के लिए सामान्य वर्ग को 25 प्रतिशत, अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, पूर्व सैनिकों, शारीरिक विकलांग वर्ग को 35 प्रतिशत अनुदान सहित 25 लाख रुपए तक की स्वीकृति प्रदान की जाती है। इसके लिए स्वीकृत परियोजना पर किसी राष्ट्रीयकृत, सहकारी अथवा निजी बैंक से ऋण लेकर काम शुरू किया जा सकता है। योजना शामिल होने के लिए आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

बगड़ के निकट आयोजित बैंकर्स की बैठक में विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ।

झुंझुनूं के अग्रणी जिला प्रबंधक जेपी मीणा ने बताया कि बैठक में बकाया सभी परियोजनाओं पर व्यापक चर्चा की गई। इन्हें शीघ्र पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया गया। बैठक में जिलेभर की बैंकों के समन्वयकों ने अपने बैंक की पीएमईजीपी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंडल निदेशक मीणा ने सभी बकाया ऋण शीघ्र स्वीकृत करने के निर्देश दिया। इस अवसर पर एसबीआई के महाप्रबंधक महेश भारद्वाज, डीआईसी महाप्रबंधक नानूराम गहनोलिया, नाबार्ड डीडीएम राजेश मीणा, कमला नेहरू संस्थान के डॉ. डीपी सिंह सहित विभिन्न बैंक अधिकारियों ने भाग लिया।

Forwarded

How the Khadi industry is booming and creating jobs in India

Prime Minister Modi made Khadi fashion...

timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/no-free-lunch/how-the-khadi-industry-is-booming-and-creating-jobs-in-india/

9:18 am

प्रेस कवरेज

27/05/2019: THE TIMES OF INDIA : VARANASI

Women thank Modi for profitable papad mission

Binay Singh | TNN

Women making papad at Sewapuri Gandhi Ashram

Varanasi: Mamta, Munni and Phooldei, all aged between 40 and 42 years, begin their day as early as 2.30am. They walk 3km along railway tracks to reach their workplace, where they knead dough for the next three hours or so to earn up to Rs 300 a day.

These residents of Newara village are among a few hundred women who work at the papad unit of Sewapuri Gandhi Ashram under Khadi and Village Industries Commission (KVIC), 26km from the district headquarters, to support their families. Each of these women knead between 440kg and 495kg of papad flour that come in 40-45 containers. They are paid Rs 6 per container.

As Prime Minister Narendra Modi is scheduled to visit Varanasi on Monday, these women want to extend their gratitude to him for enabling them to replicate the Gujarat model of co-operative mission in his constituency. P3

खादी और ग्रामोद्योग आयोग देगा काम

गडरारोड . खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने हाथ चक्की (घरटी) से आटा पिसाने की शुरुआत की है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खाली समय में रोजगार मिल पाएगा। उत्पादन केंद्रों पर पीसे आटे का 10 प्रति किलो के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। आयोग के उत्पादन केंद्र बाड़मेर, बैकुंठ ग्राम, विशाला, गडरारोड में है। कार्यक्रम की शुरुआत मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने रविवार को क्षेत्रीय विकास कार्यालय बाड़मेर में की। रामनगर निवासी हेमलता ने आटा पीसकर इसकी शुरुआत की। इस दौरान पर सवेरा संस्थान बाड़मेर अध्यक्ष कुलजीत, कार्यालय अधीक्षक पुखराज पंवार, कार्यकर्ता स्वरूप चंद शर्मा, खादी ग्रामोद्योग केंद्र मीठड़ा, महाबार, बिशाला, बायतु, सिणधरी के लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का निःशुल्क प्रशिक्षण का समापन

श्रीगंगानगर, गुरुवार, 2 मई 2019

ओबीसी ग्राम्य स्वरोजगार प्रशिक्षण सम्पन्न

गडरारोड . बायतु

बाड़मेर, सोमवार, 06 मई, 2019 | 13

घट्टी से आटा पीसने पर 10 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से मिलेगी मजदूरी

महिलाओं को रोजगार देगा खादी ग्रामोद्योग

भास्कर संवाददाता, बाड़मेर

खादी ग्रामोद्योग की ओर से दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में काम की चाहत में बेरोजगार बैठी महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। इसकी खास बात यह भी है कि इसमें समय की पाबंदी को लेकर भी कोई झंझट नहीं है। जब जी चाहे और जितनी देर तक और जितना भी काम करना चाहें, इसकी सुविधा भी मिलेगी। इस योजना की विधिवत शुरुआत कल बाड़मेर के क्षेत्रीय विकास कार्यालय नेहरू नगर में मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा द्वारा की गई।

बाड़मेर . योजना का शुभारंभ करते मंडलीय निदेशक मीणा।

मंडलीय निदेशक मीणा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में छुट्टी के दौरान और खाली समय में युवा भी यह काम कर सकते हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी भी मिल सकेगी। इस योजना से दूर-दराज की गांव-ढाणियों में बिना मजदूरी के खाली बैठी महिलाओं को घर खर्च एवं जेब खर्च निकालने का अवसर मिलेगा। इस योजना की प्रारंभिक शुरुआत बाड़मेर कार्यालय में दो-तीन घट्टियों से हुई। रामनगर निवासी हेमलता ने हाथ से आटा पीसकर इसकी शुरुआत की। इससे पहले मंडलीय निदेशक मीणा ने घट्टी को मोली बांधकर इसकी पूजा की। इस अवसर पर सवेरा संस्थान के अध्यक्ष कुलजीत, कार्यालय अधीक्षक पुखराज पंवार एवं खादी आयोग के पूर्व कार्यकर्ता स्वरूप चंद शर्मा सहित मीठड़ा, महाबार, बिशाला, बायतु और सिणधरी गांवों के सैकड़ों लोग भी उपस्थित रहे। खादी ग्रामोद्योग की ओर से बीते रविवार को हाथ की चक्की यानी घट्टी पर आटा पिसाने की शुरुआत का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खाली बैठी महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना है। इच्छुक महिलाएं खादी ग्रामोद्योग के उत्पादन केंद्रों पर खाली समय में आकर आटा पीसेंगी। बदले में उन्हें 10 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में खादी ग्रामोद्योग के केंद्र बाड़मेर शालग्राम, बैकुंठधाम, बिशाला और गडरा रोड में चल रहे हैं। इसके अलावा यदि अन्य गांवों से भी उत्पादन केंद्र के प्रस्ताव आते हैं तो वहां भी केंद्र खोले जाएंगे।

The Times Of India - Varanasi - ...
https://epaperlive.timesgroup.com

CITY

Papad unit rolls out crisp future for rural Varanasi

Binay Singh | TNN

Varanasi: Mamta, Munni and Phooldei, all aged between 40 and 42, begin their day as early as 2.30am. They walk 3km along railway tracks to reach their workplace, where they knead dough for the next three hours or so to earn up to Rs 300 a day.

These residents of Newara village are among a few hundred women who work at the papad unit of Sewapuri Gandhi Ashram under Khadi and Village Industries Commission (KVIC), 26km from the district headquarters, to support their families. Each of these women knead between 440kg and 495kg of papad flour that come in 40-45 containers. They are paid Rs 6 per container.

As Prime Minister Narendra Modi is scheduled to visit Varanasi on Monday, these women want to extend their gratitude to him for enabling them to replicate the Gujarat model of co-operative mission in his constituency.

"After reaching the ashram, we knead the dough. A second batch of women start coming from 5.30am to collect the dough, which they roll into papad at homes. For three hours, I earn up to Rs 300 a day," said Mamta.

"Being uneducated, I never thought I will earn for myself... that too sitting at home," said Saraswati, a resident of Sewapuri who rolls papad.

Supervisor Kamlesh Gupta said around 250 women collect the dough for rolling papad. Each is given 8-10kg of dough. They are paid at the rate of Rs 39 a kg. They return the rolled and dry papad next morning while collecting fresh dough. "I take 8kg dough for rolling and earn Rs 312 a day," said one Payal. Similarly, a third batch is engaged in packaging. They too are paid Rs 39 a kg each.

"These women were trained by KVIC and in three years' time, they have become experts in making papad," said KVIC chairman Vinai Kumar Saxena, adding that on their request, Lijjat had established a manufacturing unit at Sewapuri.

Launched in September 2016, it is the first ever Lijjat manufacturing unit in Varanasi district.

Sanjay Gupta

These women want to extend their gratitude to PM Modi for enabling them to replicate the Gujarat model of co-operative mission

How an ashram came of age

Sprawling over 12 acres, the Sewapuri Gandhi Ashram was set up on November 5, 1946, by a group of Gandhians under the guidance of the Mahatma. It was formally inaugurated by the country's first President Rajendra Prasad. Mahatma Gandhi stayed here for sometime.

"The ashram was one of the best khadi centres in the country. But, owing to financial crunch and lack of proper management, it was shut down in 1990," said KVIC chairman Vinai Kumar Saxena.

On September 17, 2016, the KVIC reopened it to mark PM Modi's birthday, better known as Seva Diwas. It gave a special grant of Rs 20 lakh for renovation of buildings and roped in the Rural Electrification Corporation to use its CSR funds of Rs 5.5 crore to kick off projects.

"Currently, as many as 200 solar charkhas, 80 solar looms, a modern stitching centre and a salt-making unit are part of the ashram, besides the papad unit," Saxena added.

आओ सब मिलकर गरीबी, बेरोजगारी पर वार करें: मीणा

दैनिक अंबर @ कोलसिया(राकेश सोनी)।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार बीकानेर कार्यालय के मंडलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा ने आज रिद्धि-सिद्धि होटल,बगड़, झुंझुनू के सभागार में जिलेभर के बैंकर्स को आह्वान किया कि भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव के गरीब,बेरोजगार को हुनर देकर गरीबी के राक्षस को भगाने में मदद करें। आज झुंझुनू जिले के सभी बैंकर्स को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पीएमईजीपी के लिए आयोजित विषेष बैठक में प्रेरित किया कि गत वर्ष के अधूरे लक्ष्यों को पूरा कर पूरी गति से वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए कार्य को प्रगति प्रदान करें।

ओबीसी ग्राम्य स्वरोजगार प्रशिक्षण सम्पन्न

श्रीगंगानगर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत लाभान्वित प्रतिभागियों के लिए ओ.बी.सी. ग्राम्य स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समारोहपूर्वक समापन हो गया। इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग आयोग, बीकानेर के मण्डलीय निदेशक बद्रीलाल मीणा मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स के मण्डल कार्यालय के सहायक प्रबन्धक ओंकारनाथ झा ने की। उनके साथ मंच पर अग्रणी बैंक के अधिकारी रोहित गगवानी, वित्तीय साक्षरता के परामर्शदाता बी.एल.कुक्कड़, आरसेटी के निदेशक शिव सिंह पंवार एवं कार्यालय सहायक दीपक कुमार उपस्थित थे।

दैनिक
उद्योग आस-पास

भारत व राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सीकर, 21 मई, मंगलवार, पेज नं. 3

बी-कीपिंग एनजीओ कमलनिष्ठा संस्थान ने मनाया विश्व मधुमक्खी दिवस

[illegible]

छात्र का किया सम्मान

[illegible]

पर्यावरणानुकुल मनमोहक खादी डिजाइनर परिधान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

Khadi India

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"